गुरु पूर्णिमा : गुरु वंदन कर लिया आशीर्वाद

शहर के धार्मिक स्थलों पर लोगों ने ली दीक्षा

जूनियर रिपोर्टर

भोपाल, 10 जुलाई. राजधानी में गुरुवार को गुरु-शिष्य की परंपरा का पर्व गुरु पूर्णिमा आस्था, उत्साह और गुरु पूजन के साथ मनाया गया. शहर के सैकड़ों मंदिरों और विद्यालयों में सरस्वती पूजन, गुरु पूजन, गुरु दीक्षा, पुष्प भेंट, सत्संग, यज्ञ जैसे कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. इन आयोजनों में लोगों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया और गुरुओं के प्रति सम्मान व्यक्त किया. इस दौरान मंदिरों, गुरुओं के आवासों और आश्रमों पर भक्तों का दिनभर आना-जाना लगा रहा. यहां संत-गुरुओं ने आशीर्वाद देते हुए गुरु महिमा की महत्ता को बताया.

एमपी नगर स्थित गायत्री पीठ मंदिर में गुरु पूर्णिमा के पर्व पर 24 कुण्डीय यज्ञ के साथ 150 लोगों ने गुरु दीक्षा ली. मंदिर में दो दिवसीय गुरु पूर्णिमा कार्यक्रम का आयोजन किया गया. जहां पर्व के पहले दिन बुधवार को श्रद्धालुओं ने सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक अखंड गायत्री मंत्र जाप किया गया. दूसरे दिन गुरु पूर्णिमा के दिन गुरुवार को आचार्यों द्वारा 24 कुण्डीय महायज्ञ के साथ शिष्यों को गुरु दीक्षा, नामांकरण संस्कार, विद्यारंभ का कार्य संपन्न कराया गया.

मंदिर व्यवस्थापक पंडित राजेश पटेल ने बताया कि गुरु दीक्षा के साथ पर्यावरण को देखते हुए शिष्यों को उनके प्रत्येक जन्मदिवस पर पौधे लगाने, व्यसन से दूर रहने का संकल्प दिलाया. इस दौरान श्रद्धालुओं ने बेल समेत अन्य पौधे रोपे. पर्व के उपलक्ष्य में मंदिर परिसर में लगभग 3000 लोग पहुंचे और सदकार्यों में शामिल हुए. सभी को प्रसादी वितरित की गई. पंडित राजेश पटेल ने बताया कि लोगों में सनातन संस्कृति, संस्कार, परंपरा और ऋषि परंपरा में रुचि बढ़ी है. गुरु पूर्णिमा के इस उपलक्ष्य में पांच प्रक्रिया उपासना, साधना, आराधना, संविदान और अंशदान को महत्वपूर्ण बताया गया.

यहां भी हुए प्रमुख आयोजन

आर्ट ऑफ लिविंग आनंद संस्थान : आर्ट ऑफ लिविंग आनंद संस्थान भवन में सुबह 6 .30 गुरु पूजा और शाम 6 .30 पर भजन संध्या का कार्यक्रम आयोजित किया गया .

गुफा मंदिर : लालघाटी स्थित गुफा मंदिर में रामप्रवेश दास द्वारा दीक्षा देते हुए शिष्य व्यसन त्याग और पौधरोपण का संकल्प दिलाया गया .

पंचमुखी हनुमान मंदिर : पंचमुखी हनुमान मंदिर और रेलवे कॉलोनी मंदिर में भी दीक्षा समारोह का कार्यक्रम किया गया .

ब्रह्माकुमारी सुख शांति भवन : ब्रह्माकुमारी सुख शांति भवन में भी गुरु पूजा अर्चना कर शिव आरधना की गई जिसमें कई लोग शामिल होकर पर्व को धार्मिक विधियों द्वारा मनाया .

दादा धूनी वाले दरबार में विशाल भंडारे का आयोजन : श्यामला हिल्स स्थित दादा धूनी वाले दरबार में गुरु पूर्णिमा पर्व भक्तिभाव से मनाया गया है . साधक संत दादा भाई के सानिध्य में गुरु पूजन, सत्यनारायण व्रत कथा, वृक्षारोपण, कन्या पूजन और विशाल भंडारे का आयोजन किया गया . जिसमें भारी संख्या में भक्तों ने गुरु आशीर्वाद लेकर प्रसाद ग्रहण किया .

भविष्य में आगे बढ़ने की कामना

बच्चों को अच्छे कार्य करने के लिए प्रेरित किया

भोपाल, 10 जुलाई. बंसल कॉलेज ऑफ फार्मेसी ने गुरूवार को गुरु पूर्णिमा के खास मौके पर सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया. डॉ. संजय जैन ने गुरु पूर्णिमा पर प्रकाश डाला और छात्रों और स्टाफ सदस्यों को भविष्य में आगे बढ़ने की कामना की.

डॉ. दामोदर तिवारी, निदेशक, बीआईएसटी, डॉ. वीके द्विवेदी, निदेशक, बीआईआरटी व बीआईआरटीएस, डॉ. दीप निदेशक, बीसीएन डॉ. एस. नायक प्राचार्य, बंसल कॉलेज ऑफ फार्मेसी, डॉ. राहुल गौर ने उपस्थित लोगों को संबोधित किया.

छात्रों और स्टाफ सदस्यों को समाज के लिए अच्छे कार्य करने के लिए प्रेरित किया गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष्य में परिसर के अंदर वृक्षा रोपण कराया. सभी सदस्यों को पुष्प एवं श्रीफल देकर सम्मानित किया गया.

डीजे, ऊंट-घोड़े के साथ निकाली साईं पालकी

अमरनाथ के लिए 351 भक्तों का जत्था आज होगा रवाना

भोपाल. ओम शिव शक्ति सेवा मंडल के सचिव रिंकू भटेजा एवं संरक्षक सचिन सेवारमानी ने बताया कि मंडल एवं साईं भक्ति और साईं मंडली द्वारा गुरुवार शाम 5 बजे रत्नागिरी से कल्पना नगर तक डीजे, ऊंट, घोड़ों के साथ धूमधाम से साईं पालकी निकाली गई. जिसका कई स्थान पर स्वागत किया गया.

यात्रा का समापन कल्पना नगर में हुआ. कल्पना नगर में उज्जैन एवं सीहोर से आए प्रसिद्ध डमरू ग्रुप के कलाकारों द्वारा प्रस्तुति दी गई. साईं आरती के उपरांत विशाल भंडारा आयोजित गया.

ओम शिव शक्ति सेवा मंडल भोपाल के 351 शिव भक्तों का विशाल जत्था शुक्रवार को अमरनाथ यात्रा के लिए शाम 4 बजे प्लेटफार्म नंबर एक पर मालवा एक्सप्रेस से रवाना होगा। भोपाल के सबसे बड़े जत्थे को विदाई देने के लिए धार्मिक और सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी स्टेशन परिसर पर स्वागत करते हुए पुष्पवर्षा कर रवाना करेंगे.

सरस्वती विद्या मंदिर में गुरुओं को पुष्प भेंट

भोपाल, 10 जुलाई. पिपलानी स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर गुरुओं के सम्मान में उन्हें पुष्प भेंट किया गया. योगेश गौतम ने बताया कि शिक्षा का भाव और सम्मान दोनों ही गुरु नाम के अस्तित्व से है. व्यक्ति जीवन में कुछ भी कर सकता है, लेकिन किया गया कार्य सही है या गलत इसका मापन गुरु ही बेहतर तरीके से कर सकता है. उन्होंने बताया कि जन्म माता पिता देते हैं, लेकिन जीवन को बेहतर और सही तरीके से जीना गुरु ही सिखाते हैं। इस दौरान विद्यालय के पूर्व छात्र समेत आचार्य और विद्यार्थी उपस्थित रहे.

सीएम हाउस में 'तपोधरा मध्यप्रदेश' पुस्तक का विमोचन

भोपाल. मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने गुरुवार को निवास पर 'तपोधरा मध्यप्रदेश' पुस्तक का विमोचन किया . इस अवसर पर विधायक भगवानदास सबनानी, मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी के संचालक अशोक कड़ेल, मुख्यमंत्री के संस्कृति सलाहकार श्रीराम तिवारी सहित अन्य गणमान्य जन उपस्थित रहे .

एक नजर में

गुरु नहीं होते तो हम कहां होते : देशमुख

भोपाल. गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गुरुवार को राजधानी के वरिष्ठ चिकित्सक अभिजीत देशमुख ने अपने गुरु शिक्षक वाधवानी से भेंट कर आशीर्वाद लिया . डॉ . देखमुख ने बताया कि गुरु पूर्णिमा के दिन वर्षों बाद अपने शिक्षक से मिलने का अवसर मिला . इससे मेरे लिए गुरु पूर्णिमा का यह दिन सार्थक हो गया . आज मैं जो कुछ भी हूं, उसमें उनका बहुत बड़ा योगदान है . गुरु नहीं होते तो हम कहां होते .

संसार में माता और पिता ही हैं हमारे प्रथम गुरु

भोपाल. करुणाधाम आश्रम में भक्ति भाव से गुरु पूर्णिमा पर्व मनाया गया . आश्रम में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया . गुरुदेव सुदेश शांडिल्य महाराज ने 55 भक्तों को गुरु मंत्र दिया . आश्रम के शिष्य सेवकों द्वारा गुरुदेव का चरण पूजन और युवा सेवकों द्वारा भजन गायन किया . गुरुदेव सुदेश शांडिल्य महाराज ने 'त्वमेव माता च पिता त्वमेव' का महत्व बताते हुए कहा कि संसार में माता और पिता ही प्रथम गुरु है . उनकी आज्ञा पालन ही गुरु की पूजा करने समान है . कार्यक्रम समापन में सभी भक्तों से गुरूदेव ने पर्यावरण संरक्षण के लिए संकल्प दिलवाया और समाज सेवा के लिये प्रेरित किया .

केरल के कालडी में होगा ज्ञान सभा का आयोजन

भोपाल. शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास द्वारा पांच दिवसीय ज्ञान सभा का आयोजन किया जाएगा . 25 से 28 जुलाई तक आदि शंकराचार्य की जन्मभूमि कालड़ी में यह सभा आयोजित होगी . डॉ . अतुल कोठारी ने कहा कि प्रथम 2 दिन संगठन की कार्ययोजना और लक्ष्य के दृष्टिकोण की दिशा में चिंतन होगा . कोठारी ने बताया कि चिंतन बैठक का आयोजन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत के सानिध्य में संपन्न होगा . इसके अतिरिक्त 27 जुलाई को शिक्षा में भारतीयता विषय पर एक सार्वजनिक कार्यक्रम भी प्रस्तावित है . जिसमें केरल के शिक्षाविद व गणमान्य नागरिक सहभागिता करेंगे . 28 जुलाई को शिक्षा विषय पर राष्ट्रीय शैक्षिक मंथन का आयोजन होगा .

गुरु पूर्णिमा पर गुरुजनों का सम्मान

रुद्राक्ष की माला और शिवपुराण की गई भेंट

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 10 जुलाई. गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गुरुनानक मंडल संस्था ने गुरूजनों का सम्मान किया. संस्था के प्रतिनिधियों द्वारा सिंधी कॉमुनिटी हॉल में 100 से अधिक गुरुओं का शाल-श्रीफल, उपहार, रुद्राक्ष की माला के साथ शिवपुराण भेंट की गई.

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष रविंद्र यति ने कहा कि आज गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर हमें अपने गुरुजनों और शिक्षकों का सम्मान करने का अवसर मिला है. जो हमारे जीवन में ज्ञान, संस्कार और दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं.

मंडल अध्यक्ष राकेश कुकरेजा ने कहा कि गुरु पूर्णिमा का यह पर्व हमें अपने गुरुओं के प्रति आभार और सम्मान व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है. जिन्होंने हमें जीवन के सही रास्ते पर चलने की प्रेरणा दी है. महंत अनिलानंद महाराज ने बताया कि गुरुओं का सम्मान और आभार व्यक्त करना हमारी जिम्मेदारी है. हमें उनके दिखाए हुए मार्ग पर चलने का प्रयास करना चाहिए. इस अवसर पर ब्रह्मकुमारी ज्योति, राजा शर्मा, सुनील सराठे, मुकेश सोलंकी, संदीप कल्याणे, नरेंद्र ठाकुर, यति मकवाना, अजय प्रजापति सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे.

गायत्री शक्तिपीठ में हुई गुरुदीक्षा कार्यक्रम: एमपी नगर स्थित गायत्री शक्तिपीठ मंदिर में 24 कुंडीय महायज्ञ के साथ राम शर्मा की पूजा और गुरुदीक्षा का कार्यक्रम किया गया.

विद्या मंदिर में विद्या आरंभ संस्कार

सेवा के क्षेत्र में अग्रणी संस्था सेवा भारती द्वारा संचालित विद्यालय प्राण बलदेव भंडारी सेवा विद्या मंदिर में गुरु पूर्णिमा पर्व एवं नव प्रवेशित नौनिहाल का विद्या आरम्भ संस्कार हर्षोल्लास के साथ मनाया सर्वप्रथम हवन पूजन कर नर्सरी, केजी-1, केजी -2 में नव प्रवेशित बच्चों द्वारा स्लेट पर लिखवाकर विद्या आरम्भ संस्कार पूर्ण किया गया . कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्राचार्य पंकज चंदेले, दीपाली तिवारी, करण सिंह कौशिक, एम रवि आदि ने गुरु महिमा के बारे में विचार व्यक्त किए . इस मौके पर स्कूली बच्चों समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे . मीडिया प्रभारी भगवान दास ढालिया ने बताया कि विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाओं का श्रीफल एवं कलम भेंट कर सम्मान किया किया तथा सभी को प्रसाद वितरित किया गया .

गुरु पूर्णिमा का पर्व सिद्धाश्रम में धूमधाम से मनाया

भोपाल. श्री शिव शक्ति धाम सिद्धाश्रम में गुरुवार को धूमधाम से गुरु पूर्णिमा का पर्व मनाया गया. यहां भक्त जनों द्वारा श्री राम दरबार, भोले नाथ और श्री हनुमान जी की पूजा-अर्चना की गई. शिष्य गणों ने गुरु पं सुशील महाराज का पुष्प हार भेंटकर शाल-श्रीफल से सम्मान किया. धाम में हवन यज्ञ में भक्तों ने आहूतियां दीं. कार्यक्रम के समापन पर सभी शिष्यों को खीर, पूड़ी, सब्जी का भंडारा खिलाया गया. इस मौके पर भगवत सिंह रघुवंशी, महेश चन्द्र रघुवंशी, अभिषेक जाट, संन्तोष जैन, आयुष पाण्डेय, विजय सिंह, श्याम सुंदर शर्मा, जमुना प्रसाद कुशवाहा, भवानी प्रसाद कुशवाहा, अनूप पाण्डेय समेत अन्य लोग मौजूद थे.

संसार में मनुष्य से श्रेष्ठ कोई प्राणी नहीं है : डॉ . शर्मा

भेल कॉलेज में गुरुओं का किया पूर्व छात्रों ने सम्मान

भोपाल. बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल में गुरुपूर्णिमा के अवसर पर 'मनुष्य जीवन में गुरू महिमा' विषय पर पीजी कॉलेज सीहोर के प्राचार्य डॉ रोहताश्व शर्मा ने कहा कि मनुष्य का सबसे पहला गुरू मां होती है.

इनके समर्पण भाव को अंगीकार करना चाहिए. संसार में मनुष्य से श्रेष्ठ कोई प्राणी नहीं है. जैसा हम सोचते हैं, वैसे ही बन जाते हैं. इसलिए सदैव हमें गुरू की आवश्यकता रहती है. सही समय पर सही निर्णय लेने में भी गुरू मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है. रमाकांत तिवारी ने कहा कि भगवान राम भी विपरीत परिस्थियों में अपने गुरू विश्वामित्र का स्मरण कर निर्णय लेते थे और सफलता पाते थे.

गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर श्री गुरुवे नम: के साथ बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल के पूर्व छात्रों ने अपने गुरु प्राचार्य डॉ संजय जैन का शाल श्रीफल फूलमाला पहनाकर सम्मानित कर आशीर्वाद लिया. इस अवसर पर गुरूजनों का सम्मान किया गया. कार्यक्रम संचालन डॉ. समता जैन तथा आभार श्रेया विश्वकर्मा ने व्यक्त किया. कार्यक्रम में पूर्व छात्र तेजसिंह ठाकुर, करतार सिंह नागर, मंजू यादव, रितिका ठाकुर, खुशी नागर, तनिष्का तथा छात्र-छात्राएं और समस्त स्टाफ उपस्थित रहा.

आज चरित्र निर्माण की आवश्यकता

नूतन कॉलेज में गुरु पूर्णिमा पर आयोजन

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 10 जुलाई. सरोजिनी नायडू शासकीय स्वशासी कन्या स्नात्कोत्तर महाविद्यालय में गुरू पूर्णिमा पर सम्मान कार्यक्रम में मनाया गया. भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ एवं भारतीय शिक्षण मंडल के तत्वावधान में कार्यक्रम आयोजित हुआ.

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. विनोद शुक्ला (सेवानिवृत प्राध्यापक एवं पूर्व अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा)एवं मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. राधावल्लभ शर्मा (पूर्व अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा) आमंत्रित रहे.

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ दीप्ति श्रीवास्तव का भी भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. संजना शर्मा द्वारा शॉल श्रीफल से सम्मान किया गया. स्वागत उद्बबोधन में प्राचार्य द्वारा गुरु पूर्णिमा के पर्व और परंपरा पर प्रकाश डाला. मुख्य वक्ता डॉ. विनोद शुक्ला ने भारतीय पुरातन संस्कृति ,महर्षि व्यास को स्मरण करते हुए गुरु पूर्णिमा मनाए जाने के महत्व पर प्रकाश डाला. मुख्य अतिथि डॉ. राधावल्लभ शर्मा ने गुरू परपंरा में व्यास गद्दी एवं गुरू-शिष्य परपंरा और वर्तमान शिक्षा प्रणाली में नैतिक मूल्यों एवं चरित्र निर्माण की आवश्यकता पर अपने विचार व्यक्त किए. कार्यक्रम में डॉ. अशोक नेमा, डॉ. संजना शर्मा, डॉ. पीके खरे, स्नेहा खरे, डॉ. निशी शर्मा समेत बड़ी संख्या में छात्राएं मौजूद रहीं.

कार्यक्रम | मध्यभारत प्रांत के शिक्षा संस्थानों में होंगे 600 स्थानों पर व्यास पूजा कार्यक्रम, प्रो . सिंह बोले-

विचार से पोषित शिक्षा व्यवस्था आज की आवश्यकता

भोपाल. भारतीय शिक्षण मंडल के अखिल भारतीय महामंत्री एवं निजी विश्वविद्यालय नियामक आयोग के अध्यक्ष प्रो. भरतशरण सिंह ने महर्षि वेदव्यास का संदर्भ देते हुए गुरू का महत्व बताया. उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु शिष्य परंपरा रही है. हमें भारत को विश्व गुरु बनाना है जो भारत केंद्रित शिक्षा से ही संभव होगा.

उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति और विचार से पोषित शिक्षा व्यवस्था आज की आवश्यकता है. कार्यक्रम की

अध्यक्षता प्रो नरेंद्र कुमार थापक कुलगुरु एलएनसीटी विश्वविद्यालय ने की. विशेष अतिथि पूजा चौकसे कार्यपालक निदेशक एलएनसीटी ग्रुप रहीं. गुरुवार को विभिन्न संस्थाओं में आयोजित कार्यक्रमों में शिक्षक, विद्यार्थी, बुद्धिजीवी, युवा, मातृशक्ति आदि उपस्थित रहे.

भारतीय शिक्षण मंडल के उत्सवों में व्यास पूजा प्रमुख उत्सव है. गुरु पूर्णिमा के अवसर पर पूरे मध्य भारत प्रांत में व्यास पूजा कार्यक्रम प्रारंभ हो गए हैं. 25 जुलाई तक विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विद्यालयों में यह आयोजन होंगे.

भारतीय शिक्षण मंडल मध्य भारत प्रांत के अध्यक्ष प्रो हरिहर वसंत गुप्ता ने बताया कि मध्य भारत प्रांत में आने वाले 15 दिन तक 600 संस्थानों में व्यास पूजा कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में इन कार्यक्रमों में शिक्षक, विद्यार्थी, बुद्धिजीवी, युवा, मातृशक्ति आदि सहित भारतीय शिक्षण मंडल के कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे.

युगों से चली आ रही गुरु शिष्य परंपरा

उच्च शिक्षा उत्कृष्ट संस्थान (आईईएचई) में मुख्य अतिथि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलाधिपति डॉ प्रकाश सी . बरतूनिया ने भारत की महान गुरु शिष्य परंपरा पर प्रकाश डाला . उन्होंने कहा कि गुरु शिष्य परंपरा युगों-युगों से चली आ रही है . विशिष्ट अतिथि पूर्व प्राध्यापक डॉ मनोज शुक्ला ने कहा कि गुरु पूर्णिमा जीवन का मार्ग प्रशस्त करने वाले समस्त गुरुओं के सम्मान का पर्व है . संस्थान के संचालक डॉ प्रज्ञेश कुमार अग्रवाल कोई भी जीवन में गुरु की भूमिका में हो सकता है . डॉ सुचित्रा बनर्जी ने कहा कि गुरु शिष्य को जीवन के हर परीक्षा के लिए तैयार करता है .

गुणता को संस्कृति के रूप में अपनाएं : रामनाथन

भोपाल, 10 जुलाई. बीएचईएल भोपाल में गुरुवार को सभी यूनिटों के गुणता प्रमुखों की दो दिवसीय बैठक का उद्घाटन किया गया. निदेशक एसएम रामनाथन, प्रदीप कुमार उपाध्याय, डीसी गुप्ता एवं जीपी बघेल आदि उपस्थित रहे. कार्यक्रम में बीएचईएल की विभिन्न इकाइयों से 30 गुणता प्रतिनिधियों ने प्रतिभागिता की. रामनाथन ने गुणता को संस्कृति के रूप में अपनाने पर ज़ोर दिया. उन्होंने कहा कि किसी भी उत्पाद को डिज़ाइन करते समय सभी हितधारकों जैसे ग्राहकों, विक्रेताओं और कर्मचारियों के साथ निरंतर संपर्क बनाए रखना चाहिए. उन्होंने जापानी प्रणाली पोका-योके अपनाने पर ज़ोर दिया.